अनुमोदित

2018-19

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर वाणिज्य पाठ्यक्रम

सत्र 2018–19

संकाय –वाणिज्य एवं प्रबंध संकाय

(नियम, परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम)

अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय

म०प्र० भोज (मुक्त) वि.वि. परिसर, कोलार मार्ग, भोपाल ४६२०१६ (म०प्र०)

दूरभाष : ०७५५-२४९१०३९

अणुडाक : abvhu.acadamy@gmail.com

स्नातकोत्तर

पाठ्यक्रम संरचना एवं मूल्यांकन पद्धति

(चयन आधारित क्रेडिट पद्धति)

विषय : वाणिज्य

नियम एवं पाठ्यक्रम

1. पाठ्यक्रम का उद्देश्यः-

1. वाणिज्य एवं प्रबन्धन के क्षेत्र मे किए गए भारतीय योगदान के साथ-साथ आधुनिक उपलब्धियों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
2. 18-19 वीं सदी में हुए औद्योगिक विकास के बाद से परिवर्तित वाणिज्य और प्रबन्धन की अवधारणाओं की उपादेयता से विद्यार्थी को परिचित करना।
3. 20 वीं सदी में प्रचालित वाणिज्य की अवधारणाओं में आए समयानुकूल परिवर्तनों की उपादेयता से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
4. वाणिज्य एवं प्रबन्धन के क्षेत्र में शोध एवं विश्लेषणात्मक गतिविधियों का विकास कर उनसे विद्यार्थी को अवगत कराना।
5. 21 वीं सदी में वाणिज्य के क्षेत्र में विकसित हो रहे नए आयामों एवं विद्याओं के महत्व को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम विकसित कर, विद्यार्थियों को उनके साथ सम्बद्ध करने के प्रयास करना।

2. प्रवेश के लिए योग्यता

1. स्नातक की परीक्षा न्यूनतम 48% अंकों के साथ उत्तीर्ण विद्यार्थी प्रावीण्य सूची के आधार पर प्रवेश ले सकेगा। मध्यप्रदेश शासन के आरक्षण नियमों का पालन किया जाएगा।

3. स्नातकोत्तर उपाधि

1. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर का होगा।
2. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम कम से कम 4 सेमेस्टर एवं अधिकतम 6 सेमेस्टर में पूर्ण करना होगा।
3. प्रथम,द्वितीय एवम् तृतीय सेमेस्टर में चार प्रश्न-पत्र होंगे एवम् चतुर्थ सेमेस्टर में 3 प्रश्न-पत्र होंगे।
4. गैर प्रायोगिक विषयों के प्रश्नपत्र 5 क्रेडिट के होंगे एवम् प्रायोगिक विषयों के प्रश्नपत्र 4 क्रेडिट के होंगे।

5. प्रायोगिक विषयों के प्रथम,द्वितीय एवम् तृतीय सेमेस्टर में 2-2 क्रेडिट के दो प्रायोगिक प्रश्नपत्र होंगे एवं चतुर्थ सेमेस्टर में 3 क्रेडिट का एक प्रायोगिक प्रश्नपत्र होगा।

6. चतुर्थ सेमेस्टर में 5 क्रेडिट का एक परियोजना कार्य पूर्ण करना होगा।

7. स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने के लिये 80 क्रेडिट का पाठ्यक्रम पूर्ण करना होगा।

4. स्नातकोत्तर स्तर पर सैद्धांतिक विषयों के लिए क्रेडिट का आवंटन

सारणी - 1

सेमेस्टर / प्रश्नपत्र	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	योग
प्रथम	5	5	5	5	20
द्वितीय	5	5	5	5	20
तृतीय	5	5	5	5	20
चतुर्थ	5	5	5	-	15
परियोजना कार्य	-	-	-	5	5
योग	20	20	20	20	80

5. स्नातकोत्तर स्तर पर सैद्धांतिक प्रश्नपत्र की संरचना

प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खण्डों "अ","ब" एवं "स" में विभक्त होगा।

1. खण्ड "अ" में 2–2 अंक के 5 आंतरिक विकल्प के साथ लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे। (अधिकतम 50 शब्द)
2. खण्ड "ब" में 4–4 अंक के 5 आंतरिक विकल्प के साथ मध्यम उत्तरीय प्रश्न होंगे। (अधिकतम 150 शब्द)
3. खण्ड "स" में 8–8 अंक के 5 आंतरिक विकल्प के साथ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे। (अधिकतम 400 शब्द)

इस प्रकार बाह्य मूल्यांकन के प्रश्नपत्र में अंको का विभाजन निम्नानुसार होगा–

सारणी - 2

खण्ड	प्रश्नों की संख्या	प्रति प्रश्न अंक	कुल अंक
अ	5	2	10
ब	5	4	20
स	5	8	40
योग			70

6. **स्नातकोत्तर स्तर पर** सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के अंको का विभाजन निम्नानुसार होगा–

सारणी - 3

आन्तिरिक मूल्यांकन	बाहय मूल्यांकन	कुल अंक
30	70	100

मूल्यांकन विधि

प्रत्येक प्रमाणपत्र, पत्रोपाधि (डिप्लोमा), स्नातकोत्तर पत्रोपाधि, स्नातक (प्रतिष्ठा) उपाधि, स्नातकोत्तर, एम.फिल. उपाधि पाठ्यक्रम एक निश्चित क्रेडिट का है। क्रेडिट्स विभिन्न पाठ्यक्रमों के महत्व को दर्शाता है। निश्चित क्रेडिट संख्या के साथ विद्यार्थी द्वारा अर्जित ग्रेड प्वाइंट विद्यार्थी की उपलब्धियों का मापन है।

विद्यार्थी का मूल्यांकन उनके द्वारा अर्जित अंक, ग्रेड प्वाइंट, ग्रेड एवम् श्रेणी को ग्रेडिंग पद्धति द्वारा 10 बिन्दु स्केल पर दर्शाया जाएगा। इसमें अधिकतम संभव 9 प्वाइंट में से विद्यार्थी ग्रेड प्वाइंट अर्जित करेगा।

नीचे सारणी में दर्शाये अनुसार ग्रेड पद्धति प्रत्येक पाठ्यक्रम में लागू होगी -

अंक	ग्रेड प्वाइंट
75-100	8.16-9.0
65-74	6.50-8.15
60-74	5.66-6.49
55-59	4.83-5.65
50-54	4.00-4.82
0-49	0-3.99

विद्यार्थी द्वारा सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर उसके द्वारा अर्जित संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (CGPA) के आधार पर निम्नानुसार श्रेणियों में वर्गीकृत किया जायेगा -

CGPA	लेटर ग्रेड	श्रेणी
8.5-9.00	A+	उच्च प्रथम श्रेणी
7.50-8.49	A	मध्यम प्रथम श्रेणी
6.50-7.49	A-	निम्न प्रथम श्रेणी
5.50-6.49	B+	उच्च द्वितीय श्रेणी
4.50-5.49	B	मध्यम द्वितीय श्रेणी
4.0-4.49	B-	निम्न द्वितीय श्रेणी
0-3.99	F	अनुत्तीर्ण

अटल बिहारी वाजपेयी (हिन्दी विश्वविद्यालय), भोपाल

स्नातकोत्तर वाणिज्य

पाठ्यक्रम सत्र–2018–19 से

प्रथम सेमेस्टर – 1.उच्चतर लेखांकन
2.संगठनात्मक व्यवहार
3.लागत विश्लेषण एवं नियंत्रण
4.प्रबंध की अवधारणाएँ

द्वितीय सेमेस्टर – 1.उद्यमिता कौशल विकास
2.निगमीय विधिक संरचना
3.प्रबंधकीय लेखे
4.उच्चतर साँख्यिकी विश्लेषण

तृतीय सेमेस्टर – 1.ग्रामीण एवं कृषि विपणन
2.कार्यात्मक प्रबंध
3.कर नियोजन एवं कर प्रबंध
4.प्रबंधकीय अर्थशास्त्र

चतुर्थ सेमेस्टर– 1.वस्तु एवं सेवाकर (GST)
2.विज्ञापन एवं विक्रय प्रबंध
3.शोध प्राविधि
4.लघुशोध (औद्योगिक भ्रमण एवं परियोजना प्रस्तुति एवं मौखिकी)

अटल बिहारी वाजपेयी (हिन्दी विश्वविद्यालय), भोपाल
एम.काम.(द्वितीय सेमेस्टर)
प्रथम प्रश्नपत्र – उद्यमिता कौशल विकास

अधिकतम अंक – 100 उत्तीर्णांक – 40
(आंतरिक मूल्यांकन – 30)
(बाह्य मूल्यांकन – 70)

इकाई–1. उद्यमिता :–परिभाषा, उद्यम वर्ग का उदभव, उद्यमिता के सिद्धांत, सामाजिक आर्थिक परिवेश एवं उद्यमी।

इकाई–2. साहसी (उद्यमी) के लिये प्रवर्तन :– अवसर विश्लेषण, बाह्य पर्यावरण शक्तियां, आर्थिक, सामाजिक तकनीकी एवं प्रतियोगितात्मक कारक, एक नई इकाई की स्थापना।

इकाई–3. नवाचार एवं उद्यमिता, उद्यमी व्यवहार, सामाजिक उत्तरदायित्व, परियोजना खोज के चरण, व्यवसाय अवसर को वास्तविक रूप में परिवर्तन करने की प्रक्रिया ।

इकाई –4. उद्यमिता विकास कार्यक्रम :– उद्यमिता विकास कार्यक्रम की प्रांसगिकता एवं उपलब्धियाँ, इन कार्यक्रमों के आयोजन में सरकार की भूमिका।

इकाई –5 क्रियाओं का नियोजन एवं विकास, औद्योगिक परिक्षेत्रों की भूमिका केन्द्र व राज्य स्तरीय प्रोत्साहन सेवायें। लघु उद्योग स्थापित करने की प्रक्रिया।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. उद्यमिता कौशल विकास – डॉ.एस.सी.जैन(कैलाश पुस्तक सदन)
2. उद्यमिता कौशल विकास – हिंदी ग्रन्थ अकादमी
3. उद्यामिता के आधार भूत तत्व – डॉ. आर. एल. नौलखा (रमेश बुक डिपो)

L

अटल बिहारी वाजपेयी (हिन्दी विश्वविद्यालय), भोपाल
एम.काम. (द्वितीय सेमेस्टर)
द्वितीय प्रश्नपत्र – निगमीय विधिक संरचना

अधिकतम अंक – 100 | उत्तीर्णांक – 40
(आंतरिक मूल्यांकन – 30)
(बाह्य मूल्यांकन – 70)

इकाई:–1. भारतीय कम्पनी अधिनियम (1956) (सम्बन्धित प्रावधान) परिभाषा, कम्पनियों के प्रकार, पार्षद सीमा नियम, पार्षद अन्तर्नियम, प्रविवरण, अंश पूँजी एवं सदस्यता, सभाएं एवं प्रस्ताव, कम्पनी प्रबंध, प्रबंधकीय पारिश्रमिक, कम्पनियों का परिसमापन एवं विघटन।

इकाई–2. कम्पनी सचिवः–अर्थ,परिभाषा, नियुक्ति सम्बधी नियम, कम्पनी सचिव के कार्य, कर्तव्य एवम् शक्तियॉं।

इकाई–3. एकाधिकार प्रतिबंधात्मक व्यापार व्यवहार अधिनियम 1969–एकाधिकारात्मक व्यापार व्यवहार, प्रतिबंधात्मक व्यापार व्यवहार, अनुचित व्यापार व्यवहार।

इकाई–4 परक्राम्य विलेख अधिनियम 1881 परिभाषा, परक्राम्य विलेखों के प्रकार, परक्राम्य धारक और यथाविधि भुगतान, चैक का रेखांकन एवं पृष्टांकन, परक्राम्य विलेखों का प्रस्तुतीकरण।

इकाई–5 सूचना एवंम प्रोद्यौगिकी अधिनियम 2000, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986:– विशिष्ट लक्षण, उपभोक्ता की परिभाषा, उपभोक्ता के अधिकार, शिकायत निवारण तंत्र

संदर्भ ग्रन्थः–

1. निगमीय विधि व्यवस्था – डॉ. आर.एल. नौलखा (रमेश बुक डिपो)
2. निगमीय वैधानिक रूपरेखा – डॉ. एस.सी.जैन (कैलाश पुस्तक सदन)
3. भारतीय कंपनी अधिनियम – (म.प्र.हिंदी ग्रन्थ अकादमी)
4. व्यवसायिक सन्नियम – (हिंदी ग्रन्थ अकादमी)

अटल बिहारी वाजपेयी (हिन्दी विश्वविद्यालय), भोपाल
एम.काम.(द्वितीय सेमेस्टर)
तृतीय प्रश्नपत्र–प्रंबधकीय लेखें

अधिकतम अंक – 100 उत्तीर्णांक – 40
(आंतरिक मूल्यांकन – 30)
(बाह्य मूल्यांकन – 70)

इकाई–1. प्रबंधकीय लेखांकन–अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र, कार्य, सिद्धांत, लागंत लेखांकन एवम् वित्तीय लेखाकन मे अन्तर, प्रबंधकीय लेखाकन की उपयोगिता।

इकाई–2. वित्तीय अनुपातः–वर्गीकरण, लाभदायकता अनुपात, आवर्त तथा क्रियाशीलता अनुपात, तरलता, अनुपात, दीर्घकालीन शोधन क्षमता का अनुपात, वित्तीय विश्लेषण का आशय एवं उद्‌देश्य।

इकाई–3 प्रबंधकीय अंकेक्षण की अवधारणा, उत्तरदायित्व लेखाकंन, प्रतिवेदन, प्रतिवेदनों के प्रकार, अच्छे प्रतिवेदन की विशेषताएँ।

इकाई–4 कोष प्रवाह विश्लेषण :–अर्थ, आशय, महत्व, विशेषताएँ, सीमाएं एवम् सैद्धांतिक प्रश्न, रोकड़ प्रवाह विश्लेषण (लेखांकन मानक 3 के आधार पर) अर्थ, आशय, महत्व, सीमाएं कोष प्रवाह का वर्गीकरण एवं सैद्धांतिक प्रश्न।

ईकाई–5 सीमान्त लागत का उपयोग ,लाभ नियोजन, अनुकूलतम उत्पाद मिश्रण निर्माण अथवा क्रय निर्णय, कीमत निर्धारण, उत्पाद परित्याग, उत्पादन रेखा मे परिवर्तन नये आदेश की स्वीकृति बन्द करने सम्बंधी निर्णय।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. प्रबन्धको के लिए लेखांकन – डॉ. एस. पी. गुप्ता, डॉ. के एल.गुप्ता (साहित्य भवन पब्लिकेशन्स)
2. प्रबन्धकीय लेखांकन – डॉ.एस. सी. जैन (कैलाश पुस्तक सदन)
3. प्रबंधकीय लेखांकन – डॉ.पी. के सेठ (हिंदी ग्रन्थ अकादमी)

अटल बिहारी वाजपेयी (हिन्दी विश्वविद्यालय), भोपाल
एम.काम.(द्वितीय सेमेस्टर)
चतुर्थ प्रश्नपत्र–उच्चतर सांख्यिकी विश्लेषण

अधिकतम अंक – 100 उत्तीर्णांक – 40
(आंतरिक मूल्यांकन – 30)
(बाह्य मूल्यांकन – 70)

इकाई–1 सहसंबंध एवं प्रतीपगमन विश्लेषणः द्विचर, आंशिक और बहुसहसंबंध, न्यूनतम वर्ग विधि ।

इकाई–2. प्रायिकता एवं प्रायिकता वितरण के सिद्धांत :–
प्रायिकता की अवधारणा , प्रतिबंधित प्रायिकता, क्रमचय एवं संचय, प्रायिकता वितरण के सिद्धांत, द्विपद वितरण, प्वायसन वितरण, सामान्य वितरण एवं उनका व्यवसाय में उपयोग।

इकाई–3 आन्तरगण एवं बाह्यगणन, गुणसंबंध,(केवल दो चरों तक) समंकों की संगति।

इकाई–4 विचरण एवं विश्लेषण (एकांगी एवं द्विमार्गी) : काई वर्ग परीक्षण एवं इसकी सीमाऐं ।

इकाई–5 न्यादर्श के सिद्धांत और सार्थकता की जाँच, परिकल्पना परीक्षण, न्यादर्श परीक्षण, लघु एवं वृहद न्यादर्श परीक्षण – z परीक्षण, t परीक्षण।

सन्दर्भ ग्रथः–

1.शुक्ला एवं सहाय : – ''सांख्यिकी के सिद्धांत'' साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा

2.डॉ.एन.पी.अग्रवाल : – उच्चतर सांख्यिकी विश्लेषण
रमेश बुक डिपो जयपुर

3.डॉ.एन.सी.जैन : – उच्चतर सांख्यिकी विश्लेषण
कैलाश पुस्तक सदन,भोपाल

4.डॉ.एम.पी.सिहं : '– "सांख्यिकी के सिद्धांत" "एस.''
एस. चांद पब्लिकेशन नई दिल्ली